यहाँ **भारत के प्रमुख मेलों** की पूरी जन्मकुंडली (Complete Details) है:

SSC GD Special: Famous Fairs (Detailed Analysis & Frequency)

1. कुंभ मेला (Kumbh Mela) - सबसे महत्वपूर्ण

- **कितने वर्षों बाद लगता है?**
    1. **पूर्ण कुंभ (Purna Kumbh):** हर **12 वर्ष** के अंतराल पर (चारों स्थानों पर बारी-बारी से)।
    2. **अर्ध कुंभ (Ardha Kumbh):** हर **6 वर्ष** के अंतराल पर (केवल **प्रयागराज** और **हरिद्वार** में लगता है)।
    3. **महाकुंभ (Maha Kumbh):** 144 वर्षों (12 कुंभ) के बाद (सिर्फ प्रयागराज में)।
-
- **वैज्ञानिक कारण:** बृहस्पति (Jupiter) को सूर्य का एक चक्कर लगाने में 12 वर्ष लगते हैं, उसी आधार पर कुंभ लगता है।
- **नदियाँ और स्थान (जरूर याद रखें):**
    1. **हरिद्वार (उत्तराखंड):** गंगा नदी।
    2. **प्रयागराज (उ.प्र.):** गंगा, यमुना और सरस्वती का संगम।
    3. **नासिक (महाराष्ट्र):** गोदावरी नदी।
    4. **उज्जैन (म.प्र.):** शिप्रा नदी।
-

2. महामस्तकाभिषेक (Mahamastakabhisheka)

@Kalshadow

- **कितने वर्षों बाद?** हर **12 वर्ष** में एक बार।
- **स्थान:** श्रवणबेलगोला, कर्नाटक।
- **धर्म:** जैन धर्म (Jainism)।
- **विवरण:** यहाँ भगवान **बाहुबली (गोमतेश्वर)** की 57 फीट ऊँची एक पत्थर की मूर्ति है। 12 साल बाद इसका दूध, दही, घी, केसर से अभिषेक (स्नान) किया जाता है। (पिछला 2018 में हुआ था, अगला 2030 में होगा)।

3. नंदा देवी राज जात (Nanda Devi Raj Jat)

- **कितने वर्षों बाद?** हर **12 वर्ष** में एक बार।
- **स्थान:** उत्तराखंड (चमोली)।
- **विवरण:** इसे "**हिमालय का महाकुंभ**" कहते हैं। यह 280 किलोमीटर की दुनिया की सबसे कठिन पैदल तीर्थयात्रा है। इसमें एक चार सींग वाले मेंढ़े (भेड़) के साथ यात्रा की जाती है।

4. मेदाराम जात्रा (Medaram Jatara)

- **कितने वर्षों बाद?** हर **2 वर्ष** में एक बार (Biennial)।
- **स्थान:** वारंगल, तेलंगाना।
- **विवरण:** यह माघ महीने (फरवरी) में पूर्णिमा के दिन लगता है। यह **कोया (Koya) जनजाति** द्वारा मनाया जाता है।
- **क्यों मनाते हैं?** एक माँ-बेटी (सम्मक्का और सरलम्मा) ने काकतीय राजाओं के अन्याय के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी, उनकी याद में।

5. नबकलेबर (Nabakalebara)

- **कितने वर्षों बाद?** लगभग **12 से 19 वर्ष** के बाद।
- **स्थान:** जगन्नाथ पुरी, ओडिशा।
- **विवरण:** इसका अर्थ है "नया शरीर"। जब आषाढ़ का महीना दो बार आता है (Adhik Maas), तब भगवान जगन्नाथ, बलभद्र

और सुभद्रा की **पुरानी लकड़ी की मूर्तियों को दफनाकर नई मूर्तियां** स्थापित की जाती हैं।

6. मलमास मेला (Malmas Mela) / अधिक मास मेला

- **कितने वर्षों बाद?** हर **3 वर्ष** में एक बार।
- **स्थान:** राजगीर, बिहार।
- **विवरण:** जब हिंदी कैलेंडर में एक एक्स्ट्रा महीना (पुरुषोत्तम मास) जुड़ता है, तब यह मेला लगता है।

7. पुष्कर मेला (Pushkar Fair)

- **कितने वर्षों बाद?** यह **वार्षिक (Every Year)** मेला है।
- **समय:** यह **कार्तिक पूर्णिमा** (अक्टूबर-नवंबर) को लगता है।
- **डिटेल:** यह दुनिया का सबसे बड़ा **ऊंट मेला** है। पुष्कर झील के पास ब्रह्मा जी का एकमात्र मंदिर है।
- **खासियत:** यहाँ 'मूंछ प्रतियोगिता' और 'मटका फोड़' प्रतियोगिता होती है।

8. सोनपुर मेला (Sonepur Mela)

- **कितने वर्षों बाद? वार्षिक (Every Year)**।
- **समय:** कार्तिक पूर्णिमा से शुरू होकर **1 महीने** तक चलता है।
- **स्थान:** बिहार (हाजीपुर के पास)।
- **नदी:** गंगा और गंडक का संगम।
- **डिटेल:** प्राचीन काल में यहाँ चंद्रगुप्त मौर्य हाथी खरीदते थे। आज भी इसे **हाथी बाजार** और चिड़िया बाजार के लिए जाना जाता है।

9. हेमिस गोंपा मेला (Hemis Gompa)

@kalashadow

- **कितने वर्षों बाद?** वैसे तो यह हर साल लगता है, लेकिन **हर 12 साल बाद** (तिब्बती कैलेंडर के अनुसार 'बंदर वर्ष' में) यहाँ एक विशाल "थंका" (Thangka - रेशमी चित्र) प्रदर्शित किया जाता है, जो बहुत खास होता है।
- **स्थान:** लद्दाख।

10. सूरजकुंड शिल्प मेला (Surajkund Crafts Mela)

- **कितने वर्षों बाद? वार्षिक (Every Year)।**
- **समय:** 1 फरवरी से 15 फरवरी तक (फिक्स रहता है)।
- **स्थान:** फरीदाबाद, हरियाणा।
- **थीम:** हर साल एक "थीम स्टेट" (भारत का कोई राज्य) और एक "पार्टनर नेशन" (विदेश) चुना जाता है।

11. बाणेश्वर मेला (Baneshwar Fair)

- **समय:** यह माघ शुक्ल पूर्णिमा (फरवरी) को लगता है।
- **स्थान:** डूंगरपुर, राजस्थान।
- **डिटेल:** इसे "**आदिवासियों का महाकुंभ**" कहते हैं। यहाँ **खंडित शिवलिंग** (टूटे हुए शिवलिंग) की पूजा होती है, जो दुनिया में अनोखा है।

12. अंबुबाची मेला (Ambubachi Mela)

- **समय:** हर साल जून (आषाढ़) के मध्य में।
- **स्थान:** कामाख्या मंदिर, असम।
- **डिटेल:** मंदिर के दरवाजे 3 दिन के लिए बंद कर दिए जाते हैं क्योंकि माना जाता है कि देवी मासिक धर्म (Menstruation) से गुजर रही हैं। 4वें दिन दरवाजे खुलते हैं और मेला लगता है।

13. गंगासागर मेला (Gangasagar Mela)

- **समय:** हर साल **14 या 15 जनवरी** (मकर संक्रांति) को।
- **स्थान:** पश्चिम बंगाल (सागर द्वीप)।
- **डिटेल:** यह कपिल मुनि के आश्रम के पास लगता है।

Quick Revision Table (Frequency)

मेले का नाम	आवृत्ति (Frequency)	राज्य	विशेष तथ्य
कुंभ मेला	12 साल / 6 साल	UP, UK, MH, MP	बृहस्पति ग्रह का चक्र
महामस्तकाभिषेक	12 साल	कर्नाटक	बाहुबली की मूर्ति का अभिषेक
नंदा देवी राज जात	12 साल	उत्तराखंड	280 km पैदल यात्रा
नबकलेबर	12-19 साल	ओडिशा	जगन्नाथ जी की नई मूर्ति
मेदाराम जात्रा	2 साल	तेलंगाना	कोया जनजाति (कुंभ के बाद दूसरा बड़ा)
मलमास मेला	3 साल	बिहार	राजगीर में
पेरियार थिरुविझा	1 साल	तमिलनाडु	थेप्पम (फ्लोट फेस्टिवल)

@kal_shadow

14. रथ यात्रा (Rath Yatra)

- **आवृत्ति (Frequency): वार्षिक (Every Year)**।
- **महीना:** आषाढ़ (जून-जुलाई)।
- **स्थान:** पुरी, ओडिशा।
- **विशेष:** भगवान जगन्नाथ (कृष्ण), बलभद्र और सुभद्रा की मूर्तियों को मंदिर से बाहर लाकर रथ में घुमाया जाता है।] इसे 'गुंडिचा यात्रा' भी कहते हैं।

15. तरणेतर मेला (Tarnetar Fair)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)**।
- **स्थान:** सुरेंद्रनगर, गुजरात।
- **विशेष:** यह एक प्रकार का **आदिवासी स्वयंवर** है। यहाँ आदिवासी युवक रंग-बिरंगी छतरियाँ (Embroidered Umbrellas) लेकर आते हैं ताकि लड़कियाँ उन्हें पसंद कर सकें। यह द्रौपदी के स्वयंवर की याद में लगता है।

16. श्रावणी मेला (Shravani Mela)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)** - सावन के पूरे महीने।
- **स्थान:** देवघर, झारखंड।
- **विशेष:** यह **विश्व का सबसे लंबा चलने वाला मेला** (30 दिन) माना जाता है। कांवड़िए 105 किमी पैदल चलकर सुल्तानगंज से गंगाजल लाते हैं।

17. गोवा कार्निवल (Goa Carnival)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)** - फरवरी में।

- **स्थान:** गोवा।
- **विशेष:** यह ईसाई धर्म के 'लेंट' (Lent) के उपवास शुरू होने से पहले 3-4 दिन का जश्न है। इसका मुख्य पात्र **'King Momo'** होता है जो कहता है- "खाओ, पियो और मौज करो"।

18. चित्र-विचित्र मेला (Chitra-Vichitra Fair)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)** - होली के 15 दिन बाद।
- **स्थान:** साबरकांठा, गुजरात (गुणभाखारी गाँव)।
- **जनजाति:** गरासिया और भील।
- **विशेष:** यह महाभारत काल के राजा शांतनु के पुत्रों (चित्रांगद और विचित्रवीर्य) की याद में लगता है। यहाँ आदिवासी अपने पूर्वजों की अस्थियों का विसर्जन भी करते हैं और फिर शादी-ब्याह तय करते हैं।

19. भगोरिया हाट (Bhagoria Haat)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)** - होली से पहले।
- **स्थान:** झाबुआ/अलीराजपुर, मध्य प्रदेश।
- **जनजाति:** भील और भिलाला।
- **विशेष:** यहाँ युवक-युवती एक-दूसरे को **गुलाल** लगाते हैं। अगर लड़की भी बदले में गुलाल लगा दे, तो रिश्ता पक्का माना जाता है (प्रेम विवाह का मेला)।

20. माधवपुर मेला (Madhavpur Mela)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)** - रामनवमी के पास।
- **स्थान:** पोरबंदर, गुजरात।
- **विशेष:** यह भगवान **कृष्ण (गुजरात)** और **रुक्मिणी (अरुणाचल प्रदेश)** के विवाह का जश्न है। यह भारत के 'पश्चिम' और 'पूर्व' को जोड़ता है।

21. मिंजर मेला (Minjar Mela)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)** - अगस्त में।
- **स्थान:** चंबा, हिमाचल प्रदेश।
- **विशेष:** 'मिंजर' का मतलब है **मक्का का फूल** (Maize Flower)। लोग अच्छी फसल के लिए वरुण देवता की पूजा करते हैं। इसमें मिंजर नदी में बहाई जाती है।

22. नौचंडी मेला (Nauchandi Mela)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)** - होली के बाद।
- **स्थान:** मेरठ, उत्तर प्रदेश।
- **विशेष:** यह **हिंदू-मुस्लिम एकता** का प्रतीक है। यहाँ नौचंडी देवी का मंदिर और सूफी संत बाले मियां की दरगाह बिल्कुल पास-पास हैं।

23. चंद्रभागा मेला (Chandrabhaga Mela)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)** - माघ (फरवरी) में।
- **स्थान:** कोणार्क/पुरी, ओडिशा।
- **विशेष:** इसे 'माघ सप्तमी' मेला भी कहते हैं। लोग सूर्योदय से पहले चंद्रभागा नदी में स्नान करके सूर्य भगवान की पूजा करते हैं। यह कुष्ठ रोग (Leprosy) ठीक करने के लिए माना जाता है।

24. गंगासागर मेला (Gangasagar Mela)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)** - 14 जनवरी (मकर संक्रांति)।
- **स्थान:** सागर द्वीप, पश्चिम बंगाल।
- **विशेष:** कुंभ के बाद यह भारत का दूसरा सबसे बड़ा मेला है। "सारे तीरथ बार-बार, गंगासागर एक बार।"

@kalashadow

25. किला रायपुर खेल (Kila Raipur Sports Festival)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)** - फरवरी।
- **स्थान:** लुधियाना, पंजाब।
- **विशेष:** इसे "**ग्रामीण ओलंपिक**" **(Rural Olympics)** कहते हैं।] इसमें बैलगाड़ी दौड़, ट्रैक्टर दौड़ और अनोखे करतब (जैसे दाँतों से ईंट उठाना) होते हैं।

26. बटेश्वर मेला (Bateshwar Fair)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)** - कार्तिक (अक्टूबर-नवंबर)।
- **स्थान:** आगरा, उत्तर प्रदेश।
- **विशेष:** यमुना नदी के किनारे 101 शिव मंदिरों की श्रृंखला है। यह एक बड़ा **पशु मेला** (Cattle Fair) भी है।

27. गोगामेड़ी मेला (Gogamedi Fair)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)** - भाद्रपद (अगस्त-सितंबर)।
- **स्थान:** हनुमानगढ़, राजस्थान।
- **विशेष:** यह **सांपों के देवता (Snake God)** 'गोगाजी' की याद में लगता है। इसे हिंदू और मुस्लिम दोनों पूजते हैं।

28. ज्वालामुखी मेला (Jwalamukhi Fair)

- **आवृत्ति: साल में दो बार (Twice a Year)** - चैत्र और अश्विन नवरात्रि में।
- **स्थान:** कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।
- **विशेष:** यहाँ देवी की मूर्ति नहीं है, बल्कि **धरती से निकलती हुई ज्वाला (अग्नि)** की पूजा होती है।

29. परशुराम कुंड मेला (Parshuram Kund Mela)

- **आवृत्ति: वार्षिक (Every Year)** - मकर संक्रांति।
- **स्थान:** लोहित जिला, अरुणाचल प्रदेश।
- **विशेष:** माना जाता है कि परशुराम ने यहाँ अपनी कुल्हाड़ी धोई थी और मातृ-हत्या के पाप से मुक्ति पाई थी।

30. पोराग (Porag)

- **आवृत्ति: 5 साल में एक बार**।
- **स्थान:** असम।
- **जनजाति:** मिसिंग (Mising) जनजाति।
- **विशेष:** यह फसल कटाई का त्योहार है, लेकिन 5 साल के अंतराल पर भव्य तरीके से मनाया जाता है।

Summary for Quick Revision:

- **12 साल वाले:** कुंभ (पूर्ण), महामस्तकाभिषेक, नंदा देवी राज जात, नबकलेबर (12-19)।
- **5 साल वाला:** पोराग (असम)।
- **2 साल वाला:** मेदाराम जात्रा (तेलंगाना)।
- **बाकी सब:** लगभग हर साल (Annual) लगते हैं।

@Kali_Shadow